[अध्यक्ष महोदय]

खुलती है तो दिल धड़कता है कि पता नहीं उस डाक में क्या निकलेगा। 40 परसेंट कैंसर और फूल्स होते हैं। ऐसे मूर्खों की चिट्ठियां आती हैं कि आप हैरान हो जायेंगे।

SHRI PILOO MODY (Godhra) : It all depends upon the company one keeps.

अध्यक्ष महोदय : मेरे पास आप की तरफ से भी बहुत सी आती हैं। इस के अलावा टेलिग्राम आते हैं। जो लोग सुबह मिलने आते हैं उन को तो पता नहीं क्या हो गया है। आज कल लोगों की जबान पर कंट्रोल ही नहीं है कि क्या कहते हैं क्या नहीं। उन से हाथ जोड़ कर यही अर्ज करता हूं कि जब खाना खाने आऊंगा तब डाक खोलूंगा और मिलूंगा भी आप से। डरता हूं कहीं वह बिचका न दें। फिर जब यहां आता हूं तब आप पहले से तैयार होते हैं। बड़ी मुश्किल हो जाती है एक्साइटेड माइंड से आने से। क्या करूं? चिट्ठियां आती हैं तो उन को भी ऐकनालेज करना होता है, टेलिग्राम भी बहुत आते हैं, लेकिन बाद से ऐसा लगता है कि पता नहीं यह ठीक है या नहीं। यह जब टेलिग्राम आया तो मुझे बड़ा अफसोस हुआ कि ऐसी लैंग्वेज इस्तेमाल की गई है उस में। डिप्टी स्पीकर बैठे हों, चेयरमैन बैठे हों या स्पीकर बैठे हों, जब इस तरह की लैंग्वेज यूज की जाती है तो मुझे दुख होता है। लेकिन अमलियत यह है कि यह पता नहीं है कि यह ठीक की है। हां आइन्दा के लिये तय करना है कि अगर इस तरह का टेलिग्राम आता है तो क्या करना चाहिये।

---

12.55 hrs.

## Re PAPERS RELATING TO F.C.I. INQUIRY

श्री साधू राम : (फिल्लौर) अध्यक्ष महोदय; फूड कारपोरेशन के चेयरमैन के खिलाफ एम्प्लायीज ऐसोसिएशन ने कुछ चार्जेज लगाये थे। उन का जो जवाब है उस की कापी सदन पटल पर रक्खी जाये।

अध्यक्ष महोदय : परसों यह सब कुछ आ जाता है। उस के बारे में जो भी रेलेवेंट पेपर्स होंगे वह मिनिस्टर रक्खेंगे। वह आज तो आ नहीं रहा है। आयेगा तो परसों ही।

SHRI PILOO MODY (Godhra) : An assurance was given by the Minister that he would put some papers on the Table regarding the FCI inquiry. He has not done so to-day I would like to draw your attention.

MR. SPEAKER : He has written to me about many papers and the Chairman's reply. We will leave it to the Minister Now he will look into it.

SHRI PILOO MODY : My suggestion is that the assurance was given by the Minister that he will put some papers on the Table. It should come before the debate takes place.

SHRI CHAPALENDU BHATTACHARYYIA (Giridih) . All the relevant papers should come

MR SPEAKER : I think the Minister will take a note of it.

---

12 56 hrs.

## PAPERS LAID ON THE TABLE

### ANNUAL REPORT ON SCIENCE AND TECHNOLOGY, 1970-71

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVLLOPMENT AND SCIENCE AND TECHNOLOGY (SHRI C. SUBRAMANIAM) : I beg to lay on the Table :—

(1) A copy of the Annual Report on Science and Technology for the year 1970-71.

(2) A statement (Hindi and English versions) explaining the reasons for not laying the Hindi version of the above Report simultaneously.

[*Placed in Library See* No. LT-3549/72]